

॥ श्रीः ॥

रघुराजविलास.

अर्थात्

श्रीमन्महाराजाधिराज श्रीमहा-
राजा बहादुर बान्धवेश श्रीकृ-
ष्णचन्द्र कृपापात्राधिकारी
श्रीरघुराज सिंहजू देव कृत
पदावली ।

जिसे

खेमराज श्रीकृष्णदासने
बंधई

(खेतवाडी ७ वीं गली खम्बाटा लेन)

निज "श्रीवेङ्कटेश्वर" स्टीम्-यन्त्रालयमें
मुद्रित कर प्रसिद्ध किया ।

संवत् १९६९, शके १८३४.

गणादि सर्वाधिकार "श्रीवेङ्कटेश्वर" यन्त्रा-
लयाध्यक्षने स्वाधीन रक्खा है.